1642/R

I Year Arts Examination, 2017

SANSKRIT

Paper–II

(गद्य, व्याकरण एवं अनुवाद)

Time : Three Hours
Maximum Marks : 100

PART - A (खण्ड-अ) [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).
All questions carry equal marks.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - B (खण्ड-ब) [Marks : 50

Answer *five* questions (250 words each).
Selecting *one* from each unit. All questions carry equal marks.
प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART - C (खण्ड-स) [Marks : 30

Answer any *two* questions (300 words each).
All questions carry equal marks.
कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-अ

1. विद्याविहीन पुरुष किसके समान सुशोभित होते हैं?

2. ज्ञान किसके बिना भार माना जाता है?

3. वित्त की तीन गतियाँ कौनसी हैं?

4. 'आदिरन्त्येत सहेता' सूत्र का उदाहरण सहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

5. 'अक= सवर्णे दीर्घः' सूत्र का सोदाहरण अर्थ स्पष्ट कीजिये।

6. पाँच प्रकार के समासों का नामोल्लेख कीजिए।

7. 'कारकानि षट्' के अनुसार कारकों का नाम निर्देश करते हुए सम्प्रदान कारक संज्ञा विधायक सूत्र लिखिये।

8. 'यस्य च भावेन भावलक्षणम्' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

9. 'याच्' धातु के योग में कौनसी विभक्ति होती है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

10. 'बालक सिंह से डरता है' संस्कृत में अनुवाद कीजिए। **अंक : 20**

खण्ड-ब

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की व्याख्या कीजिए :

अंक : 10

(i) विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।

पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मं ततः सुखम्।।

(ii) इज्याऽध्ययनदानानि तपः सत्यं धृतिः क्षमा।

अलोभ इति भार्गोऽयं धर्मस्याष्टविधः स्मृतः।।

(iii) आपत्सु मित्रं जानीयाद् युद्धे शूरमृणे शुचिम्।

भार्यां क्षीणेषु वित्तेषु व्यसनेषु च बान्धवान्।।

(iv) कुसुमस्तबकस्येव द्वे वृत्ती तु मनस्विनः।

सर्वेषां मूर्ध्नि वा तिष्ठेत् विशीर्येत वनेऽथवा।।

(ख) (i) निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए : अंक : 5

(i) तस्य लोपः

(ii) समाहारः स्वरितः

(iii) अणुदित्सवर्णस्य चाप्रत्ययः

(iv) परः सन्निकर्षः संहिता

(ग) (ii) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि कीजिए : **अंक : 5**

(i) सुद्ध्युपास्यः

(ii) कृष्णर्द्धिः

(iii) गङ्गौधः

(iv) मनीषा

(घ) निम्नलिखित पदों में से किन्हीं पाँच पदों का समास नाम-निर्देशपूर्वक समास-विग्रह कीजिए : **अंक : 10**

(i) उपकृष्णम् (ii) सहरि

(iii) नरवभिन्नः (iv) यूपदारू

(v) पञ्चगवम् (vi) नीलोत्पलम्

(vii) पीताम्बरः (viii) रूपवद्भार्यः

(ix) हरिहरौ (x) वाक्त्वचम्

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दस शब्दरूपों का मूल शब्द-लिङ्ग, वचन एवं विभक्ति बताइये : अंक : 10

(i) विश्वस्मिन् (ii) अमून्

(iii) तान् (iv) तासु

(v) यया (vi) त्रिषु

(vii) चतसृषु (viii) आत्मातः

(ix) धनुषः (x) वध्वाम्

(xi) स्त्रियाम् (xii) नाम्नः

(xiii) भगवताम् (xiv) विदुषः

(xv) राज्ञा (xvi) भवति

(xvii) पुंसा (xviii) वेधसा

(ixx) वाक्षु (xx) दिशे

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं दस वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए:

अंक : 10

(i) वह मधुर फल खाता है।

(ii) गाँव के चारों ओर वृक्ष हैं?

(iii) गुरु शिष्य से प्रश्न पूछता है।

(iv) धर्म के बिना सुख नहीं है।

(v) मोक्ष के लिए हरि को भजता है।

(vi) बालक सर्प से डरता है।

(vii) राम के साथ सीता वन गई।

(viii) जटा से संन्यासी ज्ञात होता है।

(ix) मूर्ख पुत्र से क्या प्रयोजन?

(x) श्याम कान से बहरा है।

(xi) शिष्य का कल्याण हो।

(xii) बालक को दूध अच्छा लगता है।

(xiii) गुरु शिष्य पर क्रोध करता है।

(xiv) शिष्य गुरु से पढ़ता है।

(xv) सज्जन पाप से घृणा करता है।

(xvi) प्रजापति से लोक उत्पन्न होता है।

(xvii) मैं कल नगर जाऊँगा।

(xviii) छात्रों में राम श्रेष्ठ है।

(ixx) विवाद से बस करो।

(xx) कृष्ण शास्त्रों में निपुण है।

खण्ड-स

1. निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर दीजिए : **अंक : 15**

(क) हितोपदेश-मित्रलाभ में वर्णित दीर्घकर्ण बिडाल और जरद्गव गिद्ध की कथा का सार लिखिए।

(ख) हितोपदेश-मित्रलाभ में वर्णित सञ्चयशील जम्बुक की कथा का सार लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किसी चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

अंक : 15

(i) अधिशीङ्स्थासां कर्म

(ii) अपवर्गे तृतीया

(iii) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

(iv) भीत्रार्थानां भयहेतुः

(v) भुवः प्रभवश्च

(vi) षष्ठी हेतुप्रयोगे

(vii) षष्ठी चानादरे

(viii) सप्तम्यधिकरणेच